NAHEP प्रायोजित इंटरैक्टिव कार्यशाला प्रतिवेदन

"जलवायु परिवर्तन का महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य और प्रजनन पर प्रभाव"

6 सितंबर, 2023 को

भाकृअनुप -केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई ने कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)) के तत्वावधान में 6 सितंबर, 2023 को राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्थिरता योजना (ईएसपी) और इक्विटी एक्शन प्लान (ईएपी)के अंतर्गत "जलवायु परिवर्तन का महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य और प्रजनन पर इसका प्रभाव" पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला सभी महिला दर्शकों के लिए लक्षित थी और जलवायु परिवर्तन के समय में बेहतर प्रजनन और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए विशेष रूप से युवा महिला छात्रों और सामान्य रूप से महिलाओं को संवेदनशील बनाने की परिकल्पना की गई थी। उद्घाटन सत्र के दौरान, डॉ. विद्या श्री भारती, नोडल अधिकारी, ईएपी, एनएएचईपी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें खुली बातचीत के लिए प्रोत्साहित किया। संभावित हस्तक्षेपों और समाधानों के लिए महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करने के लिए विचार-विमर्श किया गया। माननीय निदेशक और कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. ने बाहरी विशेषज्ञ का स्वागत और अभिनंदन किया और आज के बदलते पर्यावरणीय और सामाजिक ढांचे में इस विषय के महत्व पर भी जोर दिया। डॉ. एन.पी. साहू, प्रधान अन्वेषक, NAHEP और संयुक्त निदेशक, ICAR-CIFE, मुंबई ने भी NAHEP के ESP और EAP के संदर्भ में इस कार्यशाला के बारे में अपनी बहुमूल्य टिप्पणियाँ रखीं। कार्यशाला सत्र को बाहरी विशेषज्ञ, डॉ. सुरुचि देसाई, (एमबीबीएस, डी.एन.बी. डी.जी.ओ., डी.एफ.पी., एफ.सी.पी.एस.), वरिष्ठ सलाहकार, की जानकारीपूर्ण प्रस्तुति के साथ विचारपूर्वक डिजाइन किया गया था। स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान, रोबोटिक सर्जरी केंद्र, नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई में प्रतिभागियों के साथ फ्रीव्हीलिंग चर्चा और करीबी बातचीत हुई। डॉ. देसाई की विस्तृत प्रस्तुति में जलवायु परिवर्तन में योगदानकर्ताओं और स्वास्थ्य के सामाजिक और पर्यावरणीय निर्धारकों के बीच संबंध की समीक्षा की गई। उन्होंने बदलती जलवायु के कारण महिलाओं के प्रजनन और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर जोर दिया और जोखिमों को कम करने और लचीलापन बढ़ाने के संभावित तरीके सुझाए। कार्यशाला में परिसर से 70 पंजीकृत महिला एमएफएससी और पीएचडी विद्वानों, वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक, सहायक कर्मचारियों और लेडीज क्लब के सदस्यों/वैज्ञानिकों की पत्नियों की भागीदारी देखी गई। डॉ. टिंसी वर्गीस, वैज्ञानिक और सदस्य, ईएपी, एनएएचईपी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यशाला की परिकल्पना और आयोजन डॉ. परोमिता बनर्जी सावंत, प्रधान वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी, ईएसपी, एनएएचईपी और डॉ. विद्या श्री भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी, ईएपी, एनएएचईपी द्वारा किया गया था।

ICAR-CIFE
Mumbai